# nivesh yatra

THE JOURNEY TOWARDS FINANCIAL FREEDOM

# वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण

**पहले यह विचार करें कि आप क्या चाहते हैं और क्यों? अब मूल्यांकन करें कि आप कहां हैं और फिर यह तय करें कि आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए क्या करने की आवश्यकता है.**

हम सबने पैसे बचाने के महत्व और फायदों के बारे में तो सुन ही रखा है और यह भी जानते हैं कि बचत एक अच्छी आदत है. लेकिन जब तक आप यह नहीं जानते कि आप आखिर यह बचत किस चीज के लिए कर रहे हैं, तब तक आपकी बचत का कोई स्पष्ट अर्थ नहीं होगा. यह कुछ हद तक एक ऐसे व्यक्ति की तरह होगा जिसने मोटरसाइकल तो खरीद ली है लेकिन उसे चलाना नहीं आता. अपने वित्तीय जीवन को अपने तरीके से नियंत्रित करने के लिए एक योजना की आवश्यकता होती है और इसकी शुरुआत अपने लक्ष्य निर्धारित करने से होती है. अपने पैसे से आप क्या चाहते हैं, इसको लेकर एक व्यापक विचार से शुरुआत तो हो सकती है, लेकिन अपने वित्तीय लक्ष्यों को लेकर अधिक स्पष्ट होने की आवश्यकता है. उदाहरण के लिए, यदि आप अपनी इच्छा सूची में कार खरीदने को शामिल करना चाहते हैं तो इसे सिर्फ कार खरीदने की तरह शामिल करने की बजाय आपको यह उल्लेख करना चाहिए कि दो साल बाद आपको कार खरीदनी है जिसकी लागत 5 लाख रुपए होगी. स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य तय करने से आपको दिशा मिल जाती है कि काम कैसे करना और आपको प्रेरित रहने में भी इससे मदद मिलती है.

### अपने लक्ष्यों को सूचीबद्ध करें

किसी भी वित्तीय लक्ष्य की यात्रा आपकी आय, खर्चों और शुद्ध संपत्ति (नेटवर्थ) का आकलन करने से शुरू होती है, ताकि यह पता चल सके कि आप कहां खड़े हैं. अगला कदम अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राथमिकताओं के मुताबिक एक तय सीमा के खांचे में डालना होगा. उदाहरण के लिए, हममें से अधिकांश को आपातकालीन निधि की आवश्यकता होती है, ऋण को कम करने और सेवानिवृत्ति की योजना बनाने की आवश्यकता होती है; इनमें से ऋण को समाप्त करना प्राथमिकता होनी चाहिए. फिर कुछ लक्ष्य हैं जिनसे समझौते नहीं किए जा सकते जैसे कि बच्चे की शिक्षा. आप अपनी छुट्टियां मनाने की योजना को तो आगे के लिए स्थगित कर सकते हैं, लेकिन बच्चे के कॉलेज में एडमिशन को आगे के किसी वर्ष के लिए स्थगित नहीं कर सकते.

अपने वित्तीय लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए, उन्हें लिखें, उन लक्ष्यों को लेकर स्पष्ट हों, उन लक्ष्यों की गणना हो सकती हो, कार्रवाई-उन्मुख, यथार्थवादी और उन्हें एक स्पष्ट समय सीमा के साथ बनाया जाना चाहिए. जब अपने वित्तीय लक्ष्य निर्धारित कर रहे हों तो उस समय एक महत्वपूर्ण पहलू मुद्रास्फीति के लिए समायोजित करने की बात को न भूलें. इस तरह जब आप अपने लक्ष्य के पास पहुंच गए होंगे और जब आपको वास्तव में पैसे की आवश्यकता होगी तब आपको अचानक किसी कारण से चौंकना नहीं पड़ेगा.

आपके कई वित्तीय लक्ष्य हो सकते हैं जिनपर आपको काम करने की जरूरत होगी. अपने पैसे को लगाने का एक तरीका यह है, आप प्रत्येक लक्ष्य के लिए अलग-अलग निवेश पोर्टफोलियो बनाएं. आप प्रत्येक लक्ष्य के लिए म्यूचुअल फंडों के मिश्रण के साथ ऐसा कर सकते हैं, जो आपके जोखिम प्रोफाइल और फंड की उपयुक्तता पर निर्भर करता है. उदाहरण के लिए आप लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी फंड, मध्यम अवधि के लक्ष्यों के लिए हाइब्रिड फंड और अल्पकालिक लक्ष्यों के लिए डेट फंड में निवेश कर सकते हैं.

### लक्ष्य पर डटे रहे.

एक बार जब आप निवेश शुरू कर दें तो इसकी प्रगति की जांच करते रहें ताकि आपको पता रहे कि आप सही रास्ते पर हैं या नहीं. आपके निवेश को ट्रैक करने के कई ऑनलाइन टूल्स उपलब्ध हैं. दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए तो एक वार्षिक समीक्षा अच्छी है, लेकिन अल्पकालिक और मध्यम अवधि के लक्ष्यों के लिए समय-समय पर स्थितियों की जांच की आवश्यकता हो सकती है. अंत में, आपकी योजना कारगर बनी रहे, अपने निवेश को अपने बचत खाते के माध्यम से स्वचालित करें, क्योंकि कहीं ऐसा न हो कि आप इसे किसी और चीज़ पर खर्च कर दें. वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करने से आपको प्रेरित रहने, अपने निवेश की प्रगति पर निगरानी रखने और लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाओं को अधिकतम करने में मदद मिलती है. ●

## वित्तीय लक्ष्य

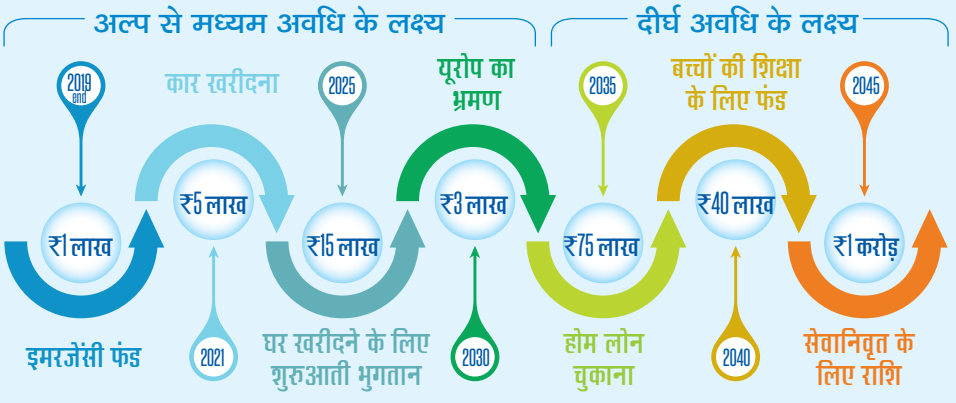


ऊपर बताए गए लक्ष्य सांकेतिक हैं और 25 साल की अवधि के लिए तैयार किए गए हैं.

**अस्वीकरण:** व्यक्त किए गए विचार और राय इंडिया टुडे के हैं और एसबीआई म्यूचुअल फंड के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं. एसबीआई म्यूचुअल फंड या इसके किसी भी अधिकारी, कर्मचारी, कार्मिक, निदेशक सामग्री की सटीकता, पूर्णता या विश्वसनीयता की कोई प्रतिनिधित्व या वारंटी, व्यक्त या निहित नहीं करते हैं और इसके संबंध में किसी भी दायित्व को स्वीकार नहीं करते हैं.
तैयार की गई सामग्री केवल निवेशकों को शिक्षित करने के उद्देश्य और सामान्य जानकारी के लिए है. पूर्वानुमान, अनुसंधान या निवेश सलाह के रूप में सामग्री पर आश्रित नहीं हुआ जा सकता है और किसी भी प्रतिभूतियों को खरीदने या बेचने के लिए या किसी भी निवेश रणनीति को अपनाने के संबंध में इसे कोई सिफारिश, प्रस्ताव या आग्रह नहीं समझा जाना चाहिए. यहां प्रदान की गई राय विभिन्न मापदंडों/निविष्टियों पर आधारित है और इसमें कोई आश्वासन या गारंटी नहीं है कि इसे अपनाकर निवेश के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है. निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे संबंधित स्कीम से जुड़ी पूरी जानकारियों को देखें और निवेश का कोई भी निर्णय लेने से पूर्व और लक्ष्यों की योजना बनाने के लिए अपने वित्तीय, कानूनी और कर सलाहकारों से परामर्श करें.
**म्यूचुअल फंड निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.**

An investor education initiative by

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE